

अफ्रीकन स्वाइन फीवर संक्रमति एवं नगिरानी क्षेत्र के प्रत्येक ज़िले में ब्लॉक स्तर पर त्वरति कार्यवाही दल गठति

चर्चा में क्यों?

6 फरवरी, 2023 को राजस्थान पशुपालन वभिाग के नदिशक डॉ. भवानी सहि राठौड़ ने बताया कपि्रदेश में अफ्रीकन स्वाइन फीवर के मामलों को गंभीरता से लेते हुए पशुपालन वभिाग ने प्रदेश के प्रत्येक ज़िले में ब्लॉक स्तरीय दलों का गठन कथिा है ।

प्रमुख बदि

- डॉ. भवानी सहि राठौड़ ने बताया क संक्रमति क्षेत्र (इंफेक्टेड जोन), नगिरानी क्षेत्र (सर्वलेंस जोन) एवं मुक्त क्षेत्र (फ्री जोन) के आधार पर गठति इन दलों द्वारा संक्रमति एवं शूकर वंशीय पशुओं के वचिरण स्थल पर पहुँचकर सर्वेक्षण कर रोग की रोकथाम एवं नदिान के लयि हर-संभव कार्यवाही की जा रही है ।
- गठति दलों द्वारा संक्रमति एवं मृत शूकरों के सैपल एकत्र कर अफ्रीकन स्वाइन फीवर रोग की पुष्टि के लयि राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, नषिाद भोपाल भजिवाए जा रहे हैं ।
- डॉ. भवानी सहि राठौड़ ने बताया क रोग के प्रतिसंवेदनशीलता को देखते हुए वभिागीय अधिकारियों को अलर्ट जारी कर शूकर वंशीय पशुओं को इस रोग से बचाने एवं पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लयि प्रत्येक ज़िले के प्रभावति क्षेत्रों में रोग सर्वेक्षण, रोग नदिान, प्रतबिंधति/मुक्त क्षेत्र चनिहति कर 'क्षेत्र वशिषिट कार्यवाही' नषिपादति की जाएगी ।
- शूकर वंशीय संक्रमति पशुओं एवं संपर्क में आए अन्य शूकरों का वैज्ञानिकी रीति से यूथेनाइज, क्षेत्र का वसिंक्रमण, वेक्टर कंट्रोल, जैव कचरे, पशु आहार एवं अन्य कचरे आदि का नसितारण कथिा जाएगा, ताक रोग पर नयितरण कथिा जा सके ।
- वही जंगली शूकरों में रोग प्रकोप नयितरण के लयि वन वभिाग एवं अन्य संबंधति वभिागों के साथ सामंजस्य स्थापति कर कार्यवाही की जा रही है ।
- उल्लेखनीय है क अफ्रीकी स्वाइन फीवर घरेलू और जंगली सूअरों में होने वाली एक अत्यधिक संक्रामक रक्तस्रावी वायरल (Haemorrhagic Viral) बीमारी है । इस रोग के अन्य लक्षणों में उच्च बुखार, अवसाद, एनॉरेक्सिया, भूख में कमी, त्वचा में रक्तस्राव, डायरिया आदि शामिल हैं ।
- अफ्रीकन स्वाइन फीवर पहली बार वर्ष 1920 के दशक में अफ्रीका में पाया गया था । ऐतिहासिकी रूप से, अफ्रीका और यूरोप के कुछ हसिसों, दक्षिण अमेरिका और कैरीबियन में संक्रमण की सूचना मलिी है ।
- हालीकवर्ष 2007 के बाद से अफ्रीका, एशिया और यूरोप के कई देशों में घरेलू और जंगली सूअरों में इस बीमारी की सूचना मलिी है ।
- इसमें मृत्यु दर लगभग 95-100% है और इस बुखार का कोई इलाज नहीं है, इसलयि इसके प्रसार को रोकने का एकमात्र तरीका जानवरों को मारना है । अफ्रीकी स्वाइन फीवर मनुष्य के लयि खतरा नहीं होता है, कयोंकयिह केवल जानवरों से जानवरों में फैलता है ।
- अफ्रीकी स्वाइन फीवर, विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (OIE) के पशु स्वास्थ्य कोड में सूचीबद्ध एक बीमारी है ।